THE HERALD of Christian Science
informal translations from the publications of the Christian Science Publishing Society

भौतिकवाद के ऊपरी दिखावे के पार देखना

Looking past the window dressing of materialism

Author- Lynn Knapp

Christian Science Sentinel Volume 117, Issue 05, February 2, 2015

हाल ही में हुई क्रिसमस की छुट्टियों ने मुझे मेरे परिवार की तब की एक परंपरा याद दिलाई जब मैं एक बच्ची थी। प्रत्येक वर्ष क्रिसमस के समय पर, हम शहर सेंट लुइस जाते थे और दो बड़ी दुकानों के सामने वाहन खड़े करते थे। हम चारों तरफ घूमते तथा उनकी खिड़कियों को देखते थे, जो कि क्रिसमस के वातावरण में सजीव प्रतीत होने वाली आकृतियों के साथ सजी होती थीं। छुट्टियों का संगीत जोश बढ़ा देता था। मेरा भाई, बहनें और मैं दृश्यों तथा ध्वनियों से आकर्षित होते थे।

वे बड़ी दुकानें उसका प्रयोग करती थीं जिसे ऊपरी दिखावा कहा जाता है ताकि वे खरीदारों को अन्दर आने और उपहार खरीदने के लिए प्रोत्साहित कर पाए। मेरे शब्दकोष में ऊपरी दिखावे की एक दूसरी परिभाषा शामिल है: "किसी वस्तु को असलियत से बेहतर दिखाने के लिए निर्मित कथन, क्रियाएँ या प्रर्दशन"।

यह दूसरी परिभाषा मुझे मेरा अनुभव बताती है जब मैंने जवान होकर क्रिश्चियन साँयस छोड़ दी। बचपन में, मैं क्रिश्चियन साँयस सण्डे स्कूल जाती थी, जहाँ मैंने सीखा कि मैं **परमेश्वर*** का बच्चा थी तथा अपनी देखभाल के लिए **उसमें** विश्वास कर सकती थी। यह सत्य कई बार उन उपचारों में प्रमाणित हुआ जो मुझे बचपन में मिले थे।

परन्तु कहीं उच्च विद्यालय तथा महाविद्यालय के बीच, मैं **परमेश्वर** पर विश्वास करने से भटक गई और सोचना शुरू कर दिया कि क्रिश्चियन साँयस सबसे बहुत अलग थी, और यह कि संसार में क्रिश्चियन साँयटिस्ट बनना बहुत अधिक मुश्किल था। मैंने सोचा "बहुतों"के साथ उनके रास्ते पर चलना ज़्यादा आसान होगा। मैंने **परमेश्वर** को भूलने का तथा सण्डे स्कूल छोड़ने का कभी सचेत होकर निर्णय नहीं लिया था परन्तु मैंने पूरी तरह से आध्यात्मिक बातों के बारे में सोचना बन्द कर दिया था। मुझे भीड़ का हिस्सा बनना आरामदायक महसूस हुआ। आप कह सकते हो कि मैं भौतिक, इन्सानी विद्यमानता के ऊपरी दिखावे से आकर्षित हो गई थी।

कुछ वर्षों बाद मैं एक कानूनी कार्यालय में सचिव के तौर पर काम कर रही थी। मैं तलाकशुदा थी, और मैं एक अकेली माँ थी। एक सहयोगी ने हाल ही में गुर्दे में इनफेक्शन अनुभव किया था और उसने मुझे इस समस्या के उपचार में हुई अपनी चुनौतियों के बारे में बताया। अधिक समय नहीं हुआ था कि मैंने स्वयं में इसी तरह के लक्षणों को अनुभव करना शुरू कर दिया।

एक रविवार मैं अपनी माँ के साथ चर्च ऑफ क्राइस्ट, साँयटिस्ट की शाखा में गई। क्योंकि मैंने उनके साथ जाने का फैसला किया था, उन्हें पता चल गया कि मैं अपनी समस्याओं के लिए समाधान ढूँढ रही थी।

---

* जो शब्द बड़े अक्षरों में लिखे गये हैं वह परमेश्वर के समानार्थक शब्द हैं।

For this translation in English and other translations in [Hindi], please see http://translations.christianscience.com

Translation © 2015 The Christian Science Publishing Society
This translation has been performed by Mother Church members in the Field and made available by agreement with The Christian Science Publishing Society. You may reproduce up to 50 print copies of this Article. You may not sell or reprint this Article in another publication without permission of CSPS. You may not post or embed this Article on other websites; instead please link to the Article on the CSPS website.

उन्होंने मेरी बेचैनी देखी, और वह मेरे साथ बहुत स्पष्ट थी। पहले उन्होंने मुझे सबक याद दिलाये जो मैंने सण्डे स्कूल में सीखे थे, परमेश्वर की बेटी होने के नाते मेरी आध्यात्मिक पहचान के बारे में, तथा इस बारे में कि कैसे परमेश्वर मुझे पूर्ण तथा सम्पूर्ण सेहत में बनाए रखता है। तब उन्होंने मुझसे आग्रह किया कि मैं या तो एक चिकित्सक को दिखाऊँ या एक क्रिश्चियन साँयस उपचारक को उपचार के लिए फोन करूँ। लेकिन उन्होंनें कहा कि कुछ न करना क्रिश्चियन साँयस नहीं है।

मैं निष्ठापूर्वक क्रिश्चियन साँयस की तह तक जा रही थी।

उन्होंने मुझे स्पष्ट किया कि मुझे एक निर्णय लेने की आवश्यकता थी जैसे ही मैंने इसके बारे में सोचा, मैंने महसूस किया कि या तो मैं अपने वर्तमान के भौतिकता पर आधारित जीवन के दृष्टिकोण में चलती रहूँ और सम्भव भौतिक समाधान ढूँढती रहूँ, या मैं निष्ठापूर्वक क्रिश्चियन साँयस की तह तक जाऊँ, एक सच्ची इच्छा के साथ अपने सोचने और जीने के तरीके को सुधारने तथा उन्नत करने के लिए, असल में एक आध्यात्मिक जीवन जीने और आत्मा, परमेश्वर के द्वारा उपचार प्राप्त करने के लिए।

मैंने एक क्रिश्चियन साँयस उपचारक को फोन करने का निर्णय लिया जो फोन बुक की सूची में था। उनका एक दफ्तर था जो कि वहाँ से लगभग 30 मिनट की दूरी पर स्थित था जहाँ मैं काम करती थी। सोमवार के दिन दोपहर के भोजन के समय, मैं उनके दफ्तर गई। मुझे नहीं याद उन्होंने क्या कहा, परन्तु काम पर वापिस लौटने से पहले, मैं पूरी तरह से ठीक थी, मैं बहुत अधिक प्रेरित तथा आभारी थी।

क्रिश्चियन साँयस की पाठ्य-पुस्तक, मेरी बेकर एडी द्वारा लिखित साँयस एण्ड हैल्थ विद की टू द स्क्रिपचर्स से यह पद्यांश मेरे अनुभव का वर्णन करता है: "यदि तुम जानते हुए भी गलत कार्य में विश्वास करते हो और उसे करते भी हो, तुम तुरन्त अपना रास्ता बदल सकते हो और सही कार्य कर सकते हो। भौतिकता, पाप या बीमारी के विरूद्ध सही प्रयासों में कोई रुकावट नहीं डाल सकती क्योंकि भौतिकता निष्क्रिय तथा विचारहीन होती है। साथ ही, अगर तुम स्वंय को रोगी मानते हो, तुम इस गलत मत तथा क्रिया को शरीर से किसी भी रुकावट के बिना बदल सकते हो" (पृष्ठ 253)।

मैंने क्रिश्चियन साँयस का गम्भीरता से अध्ययन करना शुरू कर दिया। जल्दी ही मुझे यह स्पष्ट हो गया कि परमेश्वर मेरी देखभाल करता था और सदा करता रहा। मैंने देखा कि परमेश्वर प्रेम है, सदा सबकी देखभाल करता हुआ और यह कि हम सब हमारी वास्तविक आध्यात्मिक पहचान में, परमेश्वर की समन्वित अभिव्यक्ति हैं।

क्या बहुमूल्य उपहार है! सच में, क्रिश्चियन साँयस "अमूल्य मोती" है (मत्ती 13:46)। इस आँख खोल देने वाले अनुभव के बाद मेरे अन्य उपचार भी हुए? और अपने जीवन में परमेश्वर की देखभाल के प्रत्येक प्रमाण के लिए मैं लगातार आभारी हूँ। क्रिश्चियन साँयस ऊपरी दिखावा नहीं है; यह सत्य है।

Translation © 2015 The Christian Science Publishing Society
This translation has been performed by Mother Church members in the Field and made available by agreement with The Christian Science Publishing Society. You may reproduce up to 50 print copies of this Article. You may not sell or reprint this Article in another publication without permission of CSPS. You may not post or embed this Article on other websites; instead please link to the Article on the CSPS website.